हिमालय की उत्पत्ति

(i) कोबर का भूसन्नति सिद्धांत (Geosyncline theory of kobar)

अंगारालैंड व गौंडवानालैंड के अभिसरण से टैथिस भूसन्नति में हिमालय की उत्पत्ति हुई है।

(ii) प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत (Plate Tectonic Theory)

USA के प्रिन्सटन विश्वविद्यालय के तीन प्रोफेसर मैकेन्जी, मॉर्गन व पारकर द्वारा यह सिद्धांत प्रस्तुत किया गया।

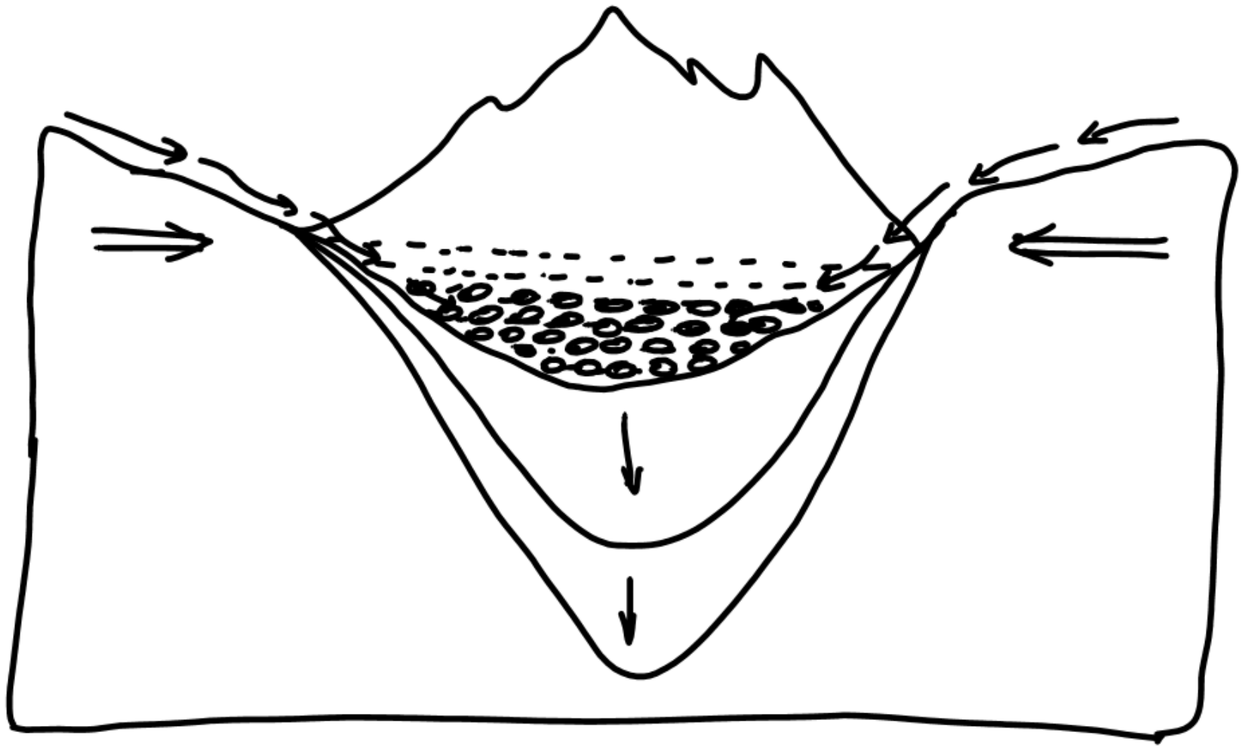

⇒ PTT के अनुसार हिमालय की उत्पत्ति टैथिस सागर में यूरेशियन प्लेट तथा भारतीय प्लेट के अभिसरण से हुई है।

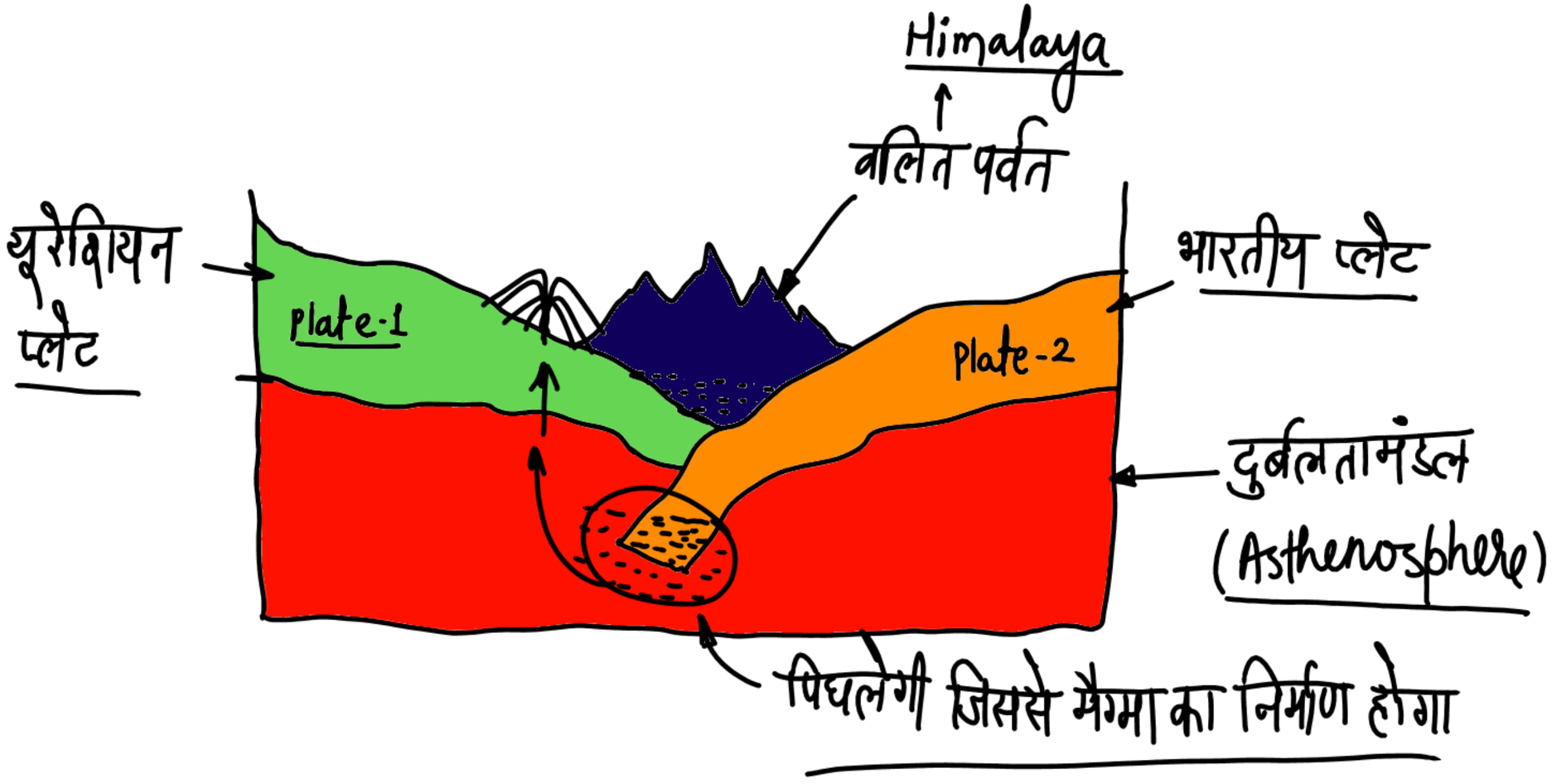

- इसकी उत्पत्ति अल्पाइन भू-हलचल से हुई है।
- हिमालय के आधार में ग्रेनाइट, नीस चट्टानें मिलती हैं, जबकि ऊपरी हिस्से में अवसादी चट्टानें पायी जाती हैं।

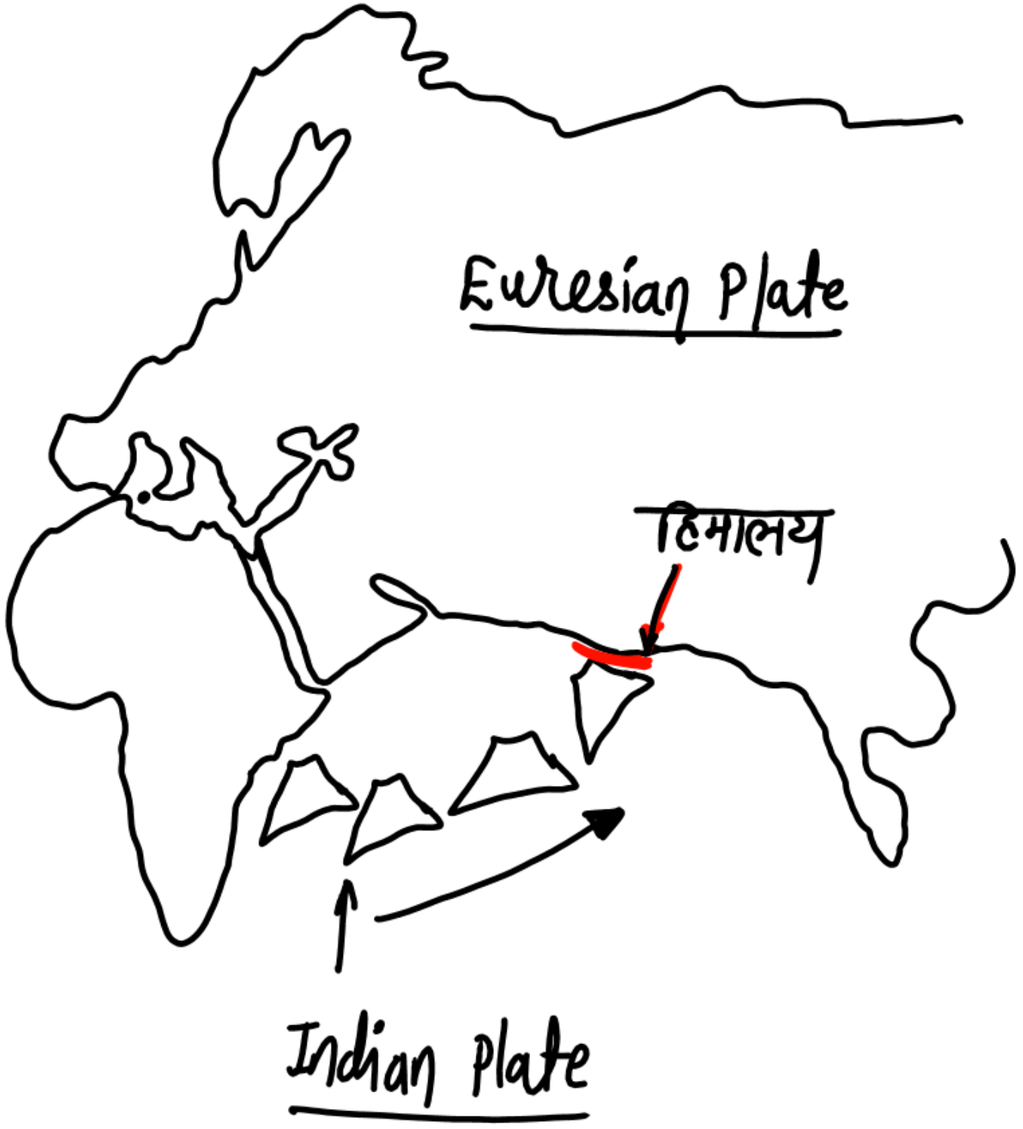

हिमालय का वर्गीकरण (भौगोलिक वर्गीकरण)

- ① ट्रांस हिमालय
  - Ⓐ. कराकोरम श्रेणी
  - Ⓑ. लद्दाख श्रेणी
  - Ⓒ. जास्कर श्रेणी
  - Ⓓ. कैलास श्रेणी (भारत में नही)
- ② मुख्य हिमालय
  - Ⓐ महान हिमा.
  - Ⓑ मध्य / लघु हिमा.
  - Ⓒ. बाह्य हिमा. / शिवालिक श्रेणी
- ③ पूर्वांचल हिमा.

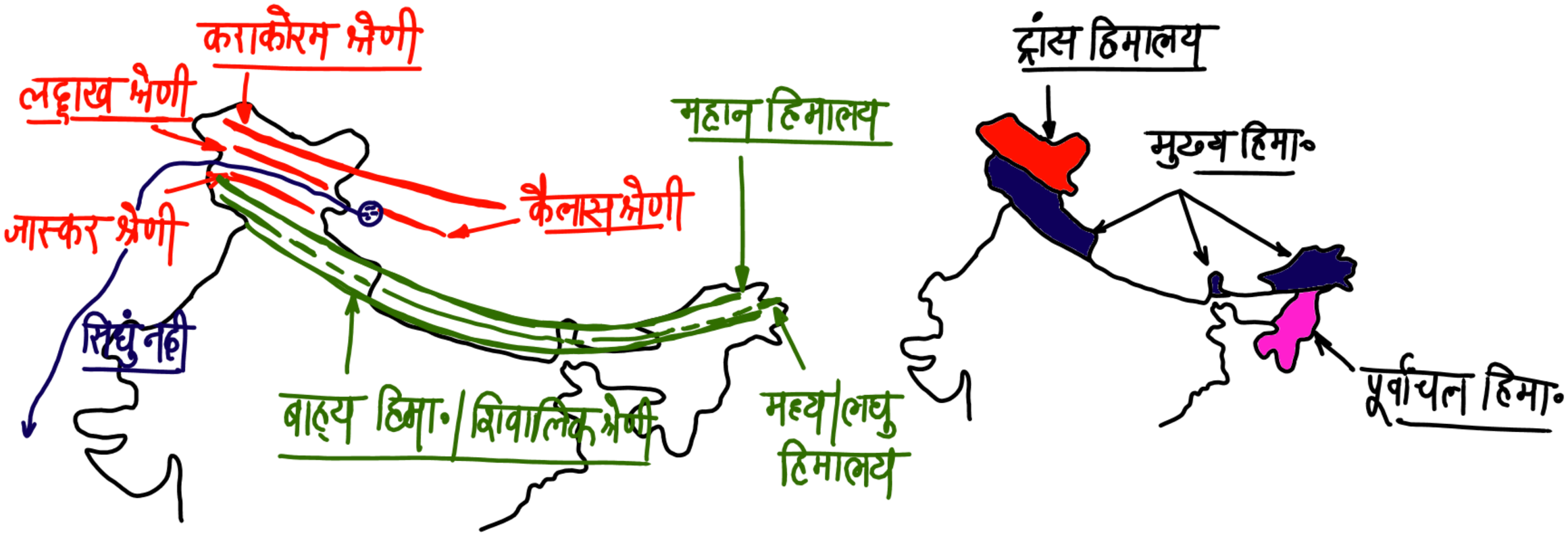
काराकोरम श्रेणी
लद्दाख श्रेणी
महान हिमालय
कैलास श्रेणी
जास्कर श्रेणी
सिंधु नही
बाह्य हिमा॰/शिवालिक श्रेणी
मध्य/लघु हिमालय
ट्रांस हिमालय
मुख्य हिमा॰
पूर्वांचल हिमा॰

① ट्रांस या पार हिमालय या तिब्बत हिमालय :-

- विस्तार लद्दाख व तिब्बत में मिलता है। → Rain shadow Region
- यह महान हिमा० के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित है, अतः यहां शुष्क जलवायवीय दशाओं का विकास हुआ है। Dry climatic condition

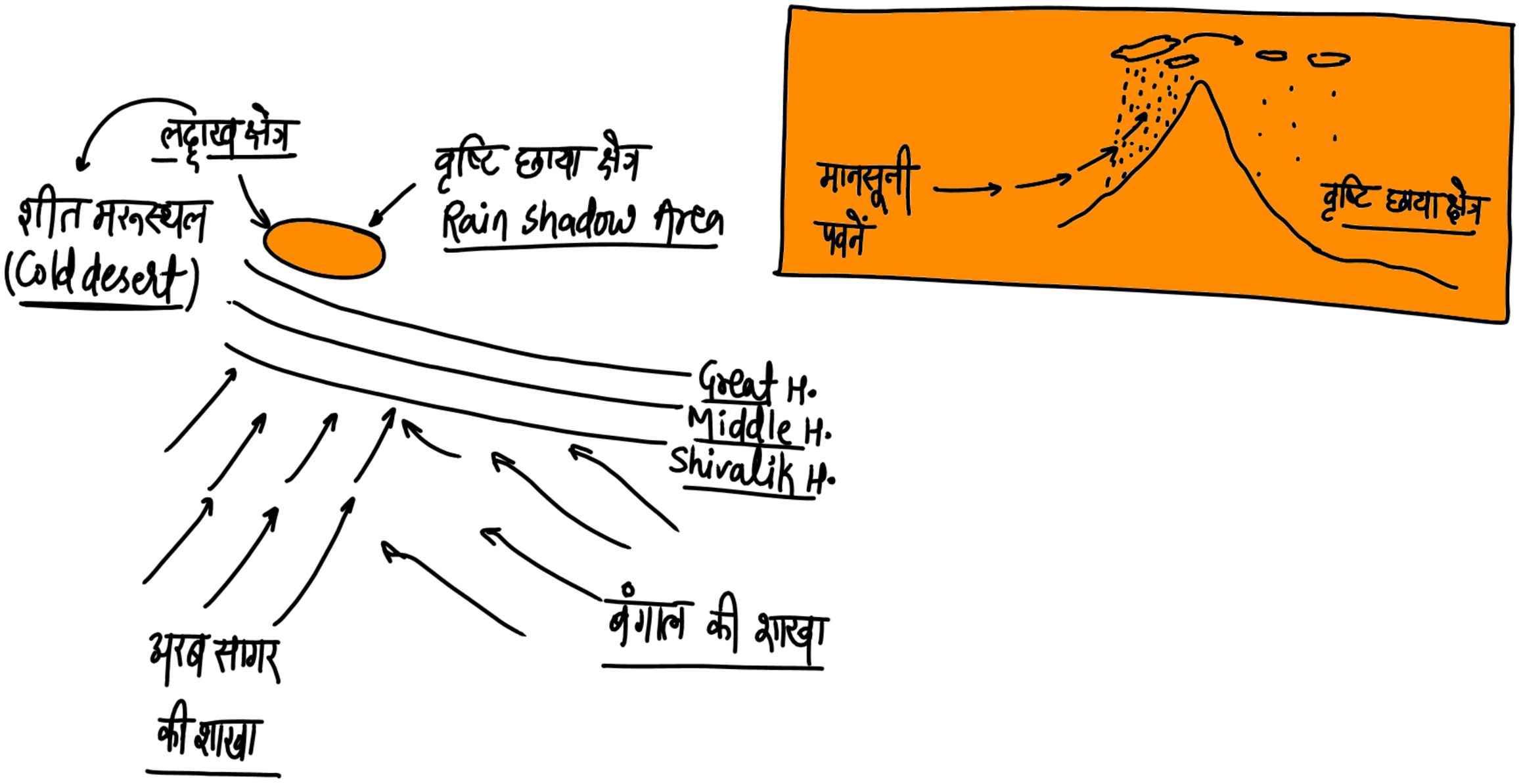
लद्दाख क्षेत्र
शीत मरुस्थल
(Cold desert)
वृष्टि छाया क्षेत्र
Rain shadow area
Great H.
Middle H.
Shivalik H.
अरब सागर
की शाखा
बंगाल की शाखा
मानसूनी
पवनें
वृष्टि छाया क्षेत्र

(A) काराकोरम श्रेणी

Karakoram Range :-

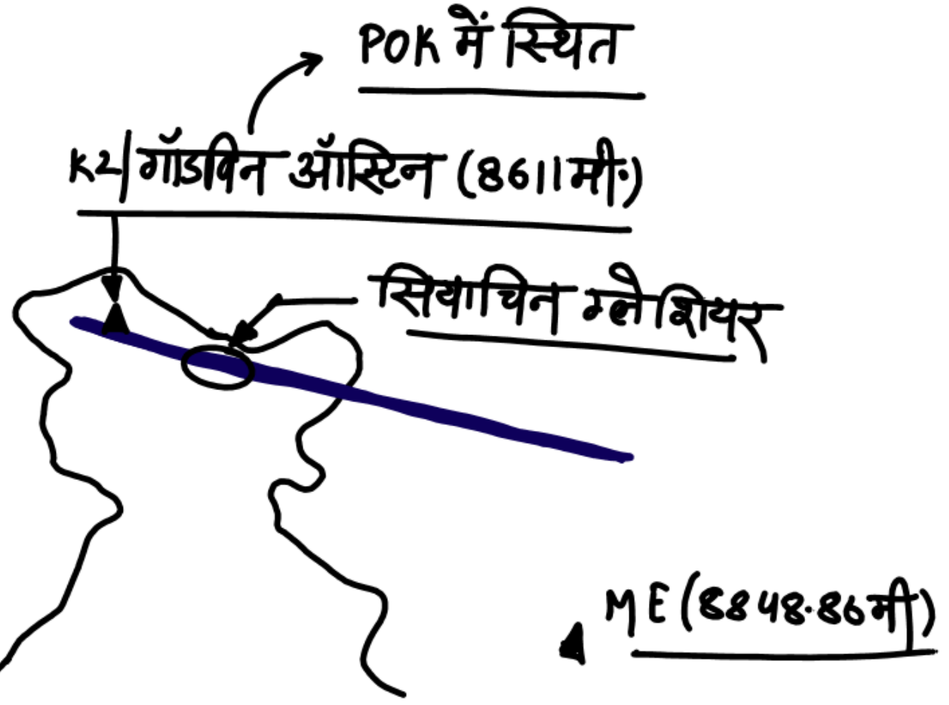

- भारत की सबसे उत्तरतम व हिमालय पर्वत तंत्र में प्राचीनतम श्रेणी है।
- इसका विस्तार लद्दाख व तिब्बत पठार पर है, जिसे तिब्बत की मेरुदण्ड या रीढ़ कहा जाता है।
- इस श्रेणी में स्थित K2 विश्व की दूसरी तथा भारत/ट्रांस हिमा./काराकोरम श्रेणी की सर्वोच्च चोटी है तथा इस श्रेणी में अन्य चोटियां गसेरब्रूम, ब्रोड पीक, हिडन पीक आदि भी स्थित हैं।